

УДК:

ЎҚУВЧИЛАРГА “ҚУТАДҒУ БИЛИГ” АСАРИНИНГ ВАЗН ХУСУСИЯТЛАРИНИ ЎРГАТИШ  
ОБУЧЕНИЕ УЧАЩИХСЯ ОСОБЕННОСТЯМ СТИХОТВОРНОГО РИТМА ПРОИЗВЕДЕНИЯ  
“ҚУТАДҒУ БИЛИГ”

## TEACHING THE FEATURES OF THE POETIC RHYTHM OF “KUTADGU BILIG”

Б. Абдурахмонова<sup>1</sup><sup>1</sup>Б. Абдурахмонова

ҚДПИ, доцент

## Аннотация

Мақолада умумий ўрта таълим мактабларида аруз вазнини ўргатиш билан боғлиқ муаммога эътибор қаратилган. Бу масалага Юсуф Хос Ҳожибнинг “Қутадғу билиг” асарини ўргатиш мисолида ойдинлик киритилган.

## Аннотация

Статья посвящена проблеме, связанной с обучением ритму аруз в средних общеобразовательных школах. Ясность в данную проблему внесена на примере изучения произведения Юсуфа Хос Хаджиба «Кутадгу билиг».

## Annotation

This article addresses the issue of teaching the rhythm aruz in secondary schools. This problem was clarified by teaching the “Kutadgu Bilig” by Yusuf Khos Khajib.

**Таянч сўз ва иборалар:** аруз вазни, “Қутадғу билиг”, мутақориб, ҳижо, рукн, жадвал.

**Ключевые слова и выражения:** ритм аруз, «Кутадгу билиг», смирение, слог, стопа, таблица.

**Key words and expressions:** metre of Aruz, “Kutadgu bilig”, humility, syllable, foot, table.

Шеър мисраларида қисқа ва чўзиқ ҳижолярнинг муайян тартибга солинган ҳолда такрорланиб келишига асосланган аруз вазнида ёзилган мумтоз адабиёт намуналари умумий ўрта таълим мактаблари адабиёт дарсликларининг асосий қисмини ташкил этади. Мактаб адабиёт дарслигидан аруз вазнида ижод қилган туркий халқлар адабиётининг йирик вакилларида бўлган Юсуф Хос Ҳожибнинг “Қутадғу билиг” асаридан тортиб ўзбек арузининг ривожига катта ҳисса қўшган, XV-XVI асрда яшаб ижод этган шоирларнинг, хусусан, Атоий, Саккокий, Дурбек, Гадоий, Лутфий, Навоий, Бобурнинг аруз ўлчовлари асосида турли жанр ва шаклларда яратган лирик асарларини ўрганадилар. Демак, мактабданоқ аруз вазнида яратилган асарларни ўқиб ўрганишда унинг вазнини билиш ҳам ўқувчи учун зарурий эҳтиёж ҳисобланади.

8-синф “Адабиёт” дарслигида [1, 57-60] мумтоз асар вазнини аниқлашга оид айрим намуналар берилган. Жумладан, аруз вазнидаги шеърий мисраларни ташкил этадиган бўғин хусусиятлари (уларнинг миқдорий ҳамда сифат жиҳатлари), бўғин (ҳижо)ларнинг очиқ ёки ёпиқ бўлиши, рукнларнинг хусусиятлари ҳақидаги дастлабки маълумотлар ўрин олган. Аруз вазни билан бармоқ орасидаги яқинликлар ҳам кўрсатиб

кетилган. Дарсликда қуйидаги мисралар вазнининг таҳлили тавсия этилган:

Бошни фидо айла ато қошиға,

Жисмни қил садқа ано бошиға.

Туну кунунга айлагали нур фош,

Бирисин Ой англа, бирисин- Қуёш.

Ўқувчилар аруз вазни борасида олган шу маълумотлари билан чекланадилар.

Шу ўринда адабиётшунос олим Валижон Қодировнинг қуйидаги фикрларини келтириш ўринли “.... арузни **вазнлар қиёси** усулида қуйидаги тартибда ўқитилиши мақсадга мувофиқлигини кўрсатди: 1) бармоқ вазни тўғрисида тушунча; 2) бўғинга қиёсан ҳижо ва унинг сифатлари; 3) туюққа қиёсан рукн ва уни ҳосил қилувчи унсурлар; 4) рукн, унинг тузилиши ва турлари; 5) баҳрларнинг ҳосил бўлиши; 6) васл ҳодисаси; 7) вазн талабига кўра сўзларни қўллашдаги истиснолар ҳақида маълумот бериш; 8) зиҳофлар” [2, 17-18]. Олимнинг фикрига таяниб айтиш мумкинки, мумтоз асарларнинг вазнини ўрганиш бўйича бериладиган кейинги сабоқлар адабиёт ўқитувчисининг зиммасида қоляпти.

Ўқувчилар ўн биринчи синфда туркий халқлар адабиётида илк бор

аруз вазнида ижод қилган адиб Юсуф Хос Ҳожибнинг “Қутадғу билиг” асари билан танишар эканлар, албатта, унинг вазни борасида ҳам билимга эга бўлишлари лозим.

## АДАБИЁТШУНОСЛИК

Адабиётшунос олим А.Ҳожиҳмедов айтганидек, “Мумтоз шоирларимиз шеъриятида “ҳаёт ва жамият, инсон ва муҳаббат, шоир тақдири, ҳижрон аламлири ҳақидаги теран фалсафий мушоҳадалар вазмин, салобатли вазнлар воситасида ифодаланса, маҳбуба тавсифи, ошиқнинг эҳтиросли кечинмалари енгилроқ, жозибадор оҳангдаги байтларда мужассамлаштирилади, вафо ва садоқат тантанаси эса шўх ва ўйноқи ритмга асосланган мисраларда тараннум этилади”[3,83]. Юсуф Хос Ҳожибнинг “Қутадғу билиг” асари вазни тўғрисида ўқувчиларга тушунча беришда олимнинг фикрларини амалда қўллаган маъқул. Чунки “Қутадғу билиг” асарида, муаллиф айтганидек, ҳаёт ва жамият масаласи кўтарилган.

“Қутадғу билиг” асарини ҳар жиҳатдан мукамал ўрганган олим – Қаяом Каримовнинг қуйидаги фикрлари буни асослайди: “Қутадғу билиг” ҳижода эмас, арузда ёзилган. Юсуф арузда камчилик ва нуқсонга йўл қўйган эмас, аксинча, катта муваффақият намунасини намойиш қилган. “Қутадғу билиг” арузнинг эпик тур учун қабул қилинган энг оҳангдори ва Шарқ назми арузида “жанговар ўлчов” номини касб этган мутақориб баҳрида ёзилган.”[4,20-21]

Ўқитувчи мазкур асарнинг вазни тўғрисида маълумот берар экан, мутақориб мусаммани мақсур билан бармоқдаги 3-3-3-2 кўринишидаги туроқларнинг ўзаро яқинлигини аниқ мисоллар ёрдамида кўрсатади. Қуйидаги мисраларни бўғинларга ажратиб чиқишларини топшириқ сифатида беради:

Севурак атин эр кишанлиг тутар,  
Кераклиг атин эр кўдазлиг тутар.

Ўқувчилар вазифани қуйидагича бажаришлари мумкин.

Се – вуг – рак а – тин эр ки – шан – лиг ту – тар, 11 бўғин

Ке – рак – лиг а – тин эр кў – даз – лиг ту – тар. 11 бўғин

Ушбу байтлар таҳлилини ўқувчилар ўқитувчи билан ҳамкорликда бажаришлари ҳамда проектор орқали олдиндан тайёрланган қуйидаги матнни ўқиш билан ўзлари бажарган топшириқнинг тўғри ёки хато эканлигини билиб олишлари мумкин:

«Байтда саккизта рукн борлиги кўриниб турибди. Уларнинг миқдори ҳар бир мисрада тўрттадан. Рукнлар очиқ бўғин билан бошланяпти. Арузда очиқ бўғинлар кўпинча қисқа ҳисобланади. Қисқа бўғин V белгиси билан ифодаланади. Демак, се-, а-, ки-, ту-, ке-, а-, кў-, ту- бўғинлари қисқа экан. Бошқа барча бўғинлар ундош товуш билан тугаган. Шунга кўра улар ёпиқ (чўзиқ) ҳисобланади. Ёпиқ бўғинлар учун – белгиси олинган. Демак, рукннинг умумий кўриниши V - - шаклида бўлади. Фақат мисралар охиридаги рукнлар V - шаклига эга. Чунки улар бошқа рукнлардан бир бўғинга фарқ қилади. Очиқ бўғинларнинг узун ўқилиш имконияти ҳам мавжуд. Шунга кўра улар узун ҳижо ўрнида ҳам кела олади:

Қуримиш йиғачлар тунанди яшил,  
Безанди япун, ал, сариқ, кўк, қизил.

(Япроғини тўккан дарахтлар яна яшил кийинди,

Ол, сариқ, кўк, қизил ранг билан безанди)».

Ўқувчиларнинг тушуниши осон бўлиши учун ушбу вазннинг жадвал шаклида акс эттирилиши мақсадга мувофиқ бўлган.

| Бўғинлар тартиби | 1  | 2   | 3  | 4  | 5   | 6   | 7  | 8   | 9   | 10  | 11  | 2 | Бўғинлар сони |
|------------------|----|-----|----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|---|---------------|
| Мисралар тартиби |    |     |    |    |     |     |    |     |     |     |     |   |               |
| 1                | Қу | ри  | ми | йи | ғач | лар | тў | нан | ди  | я   | шил |   | 11            |
| 2                | Бе | зан | ди | я  | пун | ал  | са | риқ | кўк | қи  | зил |   | 11            |
|                  | ✓  | -   | -  | ✓  | -   | -   | ✓  | -   | -   | ✓   | -   |   |               |
| 1                | у- | а-  | и  | а- | ра- | и   | -  | у-  | уғ  | ке- | а-  | и | 1<br>2        |
|                  |    |     |    |    |     |     |    |     |     |     |     |   | 1             |

|                  |     |     |     |     |     |    |     |     |    |    |    |     |               |
|------------------|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|----|----|-----|---------------|
|                  | а   | в   | ун  | а   | в   | ун | а   | в   | ун | а  | в  | ун  | 2             |
| 2                | Ва- | а-  | иғ  | и-  | мер | и  | -   | ун- | а  | и- | а- | и   | 1<br>2        |
|                  | фа  | в   | ун  | а   | ув  | ун | а   | в   | ун | а  | в  | ун  | 1<br>2        |
|                  | Ки- | ик- | ик  | а-  | ти- | и  | йи- | ит- | ик | -  | а- | и   | 1<br>2        |
|                  | фа  | ув  | лун | фа  | ув  | ун | фа  | в   | ун | а  | в  | ун  | 1<br>2        |
|                  | Йи- | ур- | дум | мен | эм  | и  | ту- | ар- | а  | у- | ат | тим | 1<br>2        |
|                  | фа  | в   | ун  | а   | ув  | ун | фа  | в   | ун | а  | в  | ун  | 1<br>2        |
|                  | Ча  | ан  | ег  | е   | гар | ар | чи  | ун  | ег | ў  | ар | ар  | 1<br>2        |
|                  | фа  | в   | ун  | а   | ув  | ун | фа  | в   | ун | а  | в  | ун  | 1<br>2        |
|                  |     |     |     |     | -   |    | ✓   |     |    |    |    |     | 1<br>2        |
| Бўғинлар тартиби | 1   |     |     |     | 5   |    | 7   |     |    | 0  | 1  | 2   | Бўғинлар сони |
| Мисралар тартиби |     |     |     |     |     |    |     |     |    |    |    |     |               |
| 1                | Ку  | и   | иш  | и   | ғач | ар | тў  | ан  | и  |    | ил |     | 1<br>1        |
| 2                | Бе  | ан  | и   |     | пун | л  | са  | иқ  | ўк | и  | ил |     | 1<br>1        |
|                  |     |     |     |     | -   |    | ✓   |     |    |    |    |     |               |
| 1                | Ту- | а-  | и   | а-  | ра- | и  | а-  | у-  | уғ | е- | а- | и   | 1<br>2        |
|                  | фа  | в   | ун  | а   | ув  | ун | фа  | в   | ун | а  | в  | ун  | 1<br>2        |
| 2                | Ва- | а-  | иғ  | и-  | мер | и  | а-  | ун- | а  | и- | а- | и   | 1<br>2        |
|                  | фа  | в   | ун  | а   | ув  | ун | фа  | в   | ун | а  | в  | ун  | 1<br>2        |
|                  | Ки- | ик- | ик  | а-  | ти- | и  | йи- | ит- | ик | -  | а- | и   | 1<br>2        |
|                  | фа  | в   | ун  | а   | ув  | ун | фа  | в   | ун | а  | в  | ун  | 1<br>2        |
|                  | Йи- | ур- | ум  | ен  | эм  | и  | ту- | ар- | а  | у- | ат | им  | 1<br>2        |
|                  | фа  | в   | ун  | а   | ув  | ун | фа  | в   | ун | а  | в  | ун  | 1<br>2        |
|                  | Ча  | ан  | ег  | е   | ар  | ар | чи  | ун  | ег | ў  | ар | ар  | 1<br>2        |

## АДАБИЁТШУНОСЛИК

|  |    |   |    |   |    |    |    |   |    |   |   |    |        |
|--|----|---|----|---|----|----|----|---|----|---|---|----|--------|
|  | фа | в | ун | а | ув | ун | фа | в | ун | а | в | ун | 1<br>2 |
|  |    |   |    |   | -  |    | ✓  |   |    |   |   |    | 1<br>2 |

Ўқувчиларга мана шундай намуналарнинг кетма-кет берилиши, энг муҳими, уларда таҳлилларнинг содда ва қулай йўллари танланганлиги ўқувчилар томонидан мутақориб вазнининг осон ўзлаштирилишига имкон яратади. Албатта, ўқувчиларнинг мустақил равишда бу билим ва кўникмаларга эга бўлишлари қийин. Бунинг учун ўқитувчининг аралашуви – кўмак ва изоҳлари керак бўлади. Аруз вазни ҳар бир қўлланишда ўзига хослик касб этишини назарда тутиб, алоҳида олинган мисоллар устида ишлашга тўғри келади. Ўқитувчи ана шу намуналарга таяниб туриб, ўқувчиларни мустақил равишда бошқа мисолларни таҳлил қилишига йўналтириши уларни аруз вазнида ёзилган асарларни ўқишга бўлган рағбатларини

Туман ту чечаклар язилди кула,  
Йипар тўлди, кафур ажун йид била.

Тилингдан чиқарма бу ялған сўзунг,  
Бу ялған сўз-ўқ тарк ужузлар ўзунг[5,8-25].

Қайинтек бўдум эрди ўқдек кўни, туз,  
Ятег эгри бўлди эгилдим, тўнгиттим.

Я Иса бўлуб кўкка ағдим мен,  
Я Нушин равантег тўру туз юриттим[6,134-135].

Ўқувчилар топшириқни ёзма шаклда бажарадилар. Улардан юқоридаги шеърини парчада берилган очиқ бўғинларни дафтарларига ёзишлари талаб этилади. Топшириқни тахминан қуйидагича бажаришлари мумкин: **ту, ту, че, я, ди,йи, ди, ка, а, би, ла** тарзида очиқ бўғинларни ёзиб чиққанликлари ўқитувчи томонидан текширилади. Сўнгра мисрадаги ҳар бир сўзни бўғинга ажратиб ёзиб чиққанларидан сўнг эса **фаувлун** рукнининг шаклига мос ҳолда очиқ

оширади. Бунда ҳар бир ўқувчига камида беш-ўнтадан байтни мустақил тарзда таҳлил қилиш вазифаси берилади. Натижада ўқувчилар асардаги асосий ҳолатларни вазнига кўра таҳлил қилишни уддалайдиган бўлишади. Ўқитувчи ўқувчиларнинг ёдларига “Қутадғу билиг” асари мутақориб баҳрининг солим ва тармоғида ёзилганлигини яна бир бор эслатганидан сўнг, ҳар бир ўқувчига асардаги маснавий, тўртлик, рубоий, қасида ҳамда туюқлардан намуналар ёзилган карточка (тарқатма материал)ларни алоҳида-алоҳида тарқатади. Тарқатма материалларда “Қутадғу билиг” асарининг солим ва тармоқ кўринишларига мисоллар ёзилган бўлади. Масалан, бир ўқувчига бериладиган топшириқ қуйидагича бўлиши мумкин :

ва ёпиқ бўғинларни аниқлайдилар. Ўқитувчи томонидан ўқувчиларнинг топшириқни тўғри бажаришлари назорат қилиб борилади. Бу усул ўқувчиларга ҳам қўл келади. Ушбу вазнининг ифодасини ўқитувчи кўрсатганидек, жадвал шаклида бериш мақсадга мувофиқ кўринади.

Мисолдаги байтларда барча сўзлар рукнларга бекаму кўст уйғунлашганлигини текшириш учун жадвалдан фойдаланиш уларнинг орасида бўғинларнинг чўзиқ-қисқалигини ифодаловчи белгиларнинг ҳам қўйиб кетилиши, ўқувчиларнинг мутақориб вазнини ўзлаштиришга оид ҳаракатларини осонлаштиради. Айни пайтда улар бўғинларнинг очиқ ва ёпиқлиги, уларнинг қисқа ёки чўзиқлигини белгилаб беришини ҳам билиб, бу борадаги кўникма ва малакалари ортади. Назаримизда, ўқувчиларга аввал вазнининг солим кўринишини топшириқ қилиб бериб, ундан кейин унинг зихофли кўринишларига ўтиш назарий жиҳатдан тўғри ва амалий жиҳатдан осон бўлади .

|    |    |     |     |    |     |    |    |    |     |    |     |     |   |
|----|----|-----|-----|----|-----|----|----|----|-----|----|-----|-----|---|
| 1. | Қа | йин | тек | бў | дум | эр | ди | ўқ | тек | кў | нит | туз | 2 |
|----|----|-----|-----|----|-----|----|----|----|-----|----|-----|-----|---|

|    |    |      |     |    |     |     |    |     |     |    |      |     |    |
|----|----|------|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|----|------|-----|----|
|    | фа | ув   | лун | фа | ув  | лун | фа | ув  | лун | фа | ув   | лун | 2  |
| 2. | Я  | тег  | эг  | ри | бўл | ди  | э  | гил | дим | тў | нгит | тим | 2  |
|    | фа | ув   | лун | фа | ув  | лун | фа | ув  | лун | фа | ув   | лун | 2  |
|    | ✓  | -    | -   | ✓  | -   | -   | ✓  | -   | -   | ✓  | -    | -   | 2  |
| 1  | Я  | И    | са  | бў | луб | кўк | ка | ағ  | дим | та | қи   | мен | 2  |
|    | ✓  | -    | -   | ✓  | -   | -   | ✓  | -   | -   | ✓  | -    | -   | 2  |
| 2. | Я  | Ну   | шин | ра | ван | тег | тў | рў  | туз | ю  | рит  | тим | 2  |
|    | фа | ув   | лун | фа | ув  | лун | фа | ув  | лун | фа | ув   | лун | 2  |
|    | ✓  | -    | -   | ✓  | -   | -   | ✓  | -   | -   | ✓  | -    | -   | 2  |
| 1  | Ту | ман  | ту  | че | чак | лар | я  | зил | ди  | ку | ла   |     | 11 |
| 2  | Йи | пар  | тўл | ди | ка  | фур | а  | жун | йид | би | ла   |     | 11 |
|    | ✓  | -    | -   | ✓  | -   | -   | ✓  | -   | -   | ✓  | -    |     |    |
| 1  | и  | линг | ан  | и  | ар  | а   | у  | л   | ан  | сў | зунг |     | 1  |
|    | а  | ув   | ун  | а  | в   | ун  | а  | в   | ун  | а  | увл  |     | 1  |
| 2  | у  | ял   | ан  | ў  | ўқ  | арк |    | уз  | ар  |    | зунг |     |    |

## АДАБИЁТШУНОСЛИК

|  |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |   |
|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|---|
|  | ✓ | - | - | ✓ | - | - | ✓ | - | - | ✓ | - |  | 1 |
|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|---|

Ўқитувчи ўқувчиларнинг вазифани бажаришларига қараб қўшимча топшириқлар ҳам бериши ҳам мумкин. Масалан, қуйидаги шеърини парчани проектор орқали ўқувчиларга кўрсатади.

Қайинтег бўдум эрди ўқдег кўни туз,

Ятег эгри бўлди эгилдим, тўнгиттим.

Топшириқ шартига кўра ўқувчилар бўғин ва ҳижола микдорини аниқлаб, тақтеъни тўғри қўйишлари ҳамда уларнинг рукн ҳосил қилишдаги иштирокини аниқлашлари керак бўлади. Бунинг учун ўқитувчи 5-8 дақиқа вақт беради. Ўқувчилардан бири ўзи бажарган ишини қуйидагича изоҳлаб беради:

Қайинтег бўдум эрди ўқдег кўни туз,

V - -| V - -| V - -| V - -

Ятег эгри бўлди эгилдим, тўнгиттим.

V - -| V - -| V - -| V - -

“Мазкур мисолимизда «эрди» сўзидаги “эр”, “эгри” сўзидаги “эг” бўғинига олдинги рукнга ўтган. Бошқа ўринларда сўзнинг охири билан рукннинг тугаши тўла мос келади. Сўзнинг бўлиниши биринчи мисрадаги “эрди” ҳамда иккинчи мисрадаги “эгри” сўзларида учрайди. Аниқроғи, “эрди” сўзидаги “эр” бўғини билан “эгри” сўзидаги “эр” бўғини ўзидан олдинги ҳижога бирлашиб, битта рукни, яъни фаувлун рукнини ташкил этган”. Ўқитувчи ўқувчиларнинг йўл қўйган хато ва камчиликлари бўлса тузатади, қўшимча изоҳ керак бўлса беради. “Қутадғу билиг” асарининг вазнини ўргатишга ажратилган дарсни шу тарзда ташкиллаш, ўйлаймизки, ўқувчиларда аруз вазни бўйича кўникма ҳосил бўлишига тўртки бўлади.

Ўқитувчи ўқувчилар томонидан бажарилган топшириқлар тизимига кўра Юсуф

Хос Ҳожибнинг «Қутадғу билиг» асаридаги вазн белгиларини ўргатишни мутақорибнинг солим кўринишларини ўрганишдан бошлаши бир қатор устунликларга эга. Бу устунликлар нималарда кўринади?

1. Ўқувчилар битта рукннинг такроридан ҳосил бўладиган вазнини осон ўзлаштиради. Мутақорибнинг солим кўринишида рукнлардаги бир хиллик вазннинг ўзлаштирилишини осонлаштиради.

2. Ҳар бир рукннинг бир мисрада тўрт марта, икки мисрада саккиз марта такрор келиши, бунинг устига уларнинг зиҳфосиз қўлланиши шеърини матндаги оҳангдорликни жуда кучайтириб юборади. Бу ҳолат асар мазмунини ўзлаштиришга ҳам имкон яратади.

Юсуф Хос Ҳожибнинг қасидаларида қўлланган (асардаги бир дона тўртлик ҳам шу вазнда ёзилган) ушбу вазн кўринишидан кейин унинг мақсур ва маҳзуф кўринишларини тушунтириш енгиллашади. Асарда асосан бир хил вазннинг қўлланганлиги унинг ўқувчилар томонидан ўзлаштирилишига ҳам енгилликлар беради. “Қутадғу билиг” асарининг вазнини ўргатишга ажратилган дарсни шу тарзда ташкиллаш, ўйлаймизки, ўқувчиларда аруз вазни бўйича кўникма ҳосил бўлишига тўртки бўлади.

3. Юсуф Хос Ҳожибнинг “Қутадғу билиг”идаги вазн хусусиятларини пухта ўрганган, яхши ўзлаштирган ўқувчилар Аҳмад Югнакийнинг “Ҳибат ул-ҳақойиқ” ҳамда Алишер Навоийнинг “Садди Искандарий” сидаги вазн хусусиятларини ҳам осон ўзлаштирадиган бўлишади.

## Адабиётлар:

1. Adabiyot. Umumiy o'rta ta'lim maktablarining 8-sinfi uchun darslik. T.: G'afur G'ulom nomidagi nashriyot-matbaa ijodiy uyi. 2019.

2. Қодиров В. Умумтаълим мактабларида ўзбек мумтоз адабиёти намуналарини ўқитишнинг илмий-педагогик асослари. Пед. фан. (DSc) док. дисс. автореферати. - Наманган, 2019.

3. Ҳожиаҳмедов А. Фурқат арузи. Фурқат ижодиёти. - Т.: Фан, 1990.

4. Каримов Қ. Илк бадиий дoston. Т.: Фан нашриёти. - 1976.

5. Юсуф Хос Ҳожиб. Тўртликлар. Нашрга тайёрловчилар: Тўхлиев Б., Сиддиқов Қ., Иботов С. Т.: - Алишер Навоий номидаги Ўзбекистон Миллий кутубхонаси нашриёти. - 2010.

6. Зоҳидова Д. Аруз сабоқлари. Мумтоз сўз нашриёти. - Т.: 2016.

(Тақризчи: Ҳ. Жўраев – филология фанлари доктори).